राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2081, मार्गशीष , शुक्ल पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: दिसम्बर - 2024

एक मौन तपस्वी : बालासाहेब देशपाण्डे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली पीढ़ी के स्वयंसेवक बालासाहेब देशपाण्डे 1948 में तत्कालीन मध्यप्रांत (वर्तमान छत्तीसगढ) के दुर्गम वनवासी क्षेत्र जशपुर में वनवासियों को शिक्षित कर उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ने व उनके आत्म गौरव को लौटाने वहां गये थे। जशपुर को केंद्र बनाकर उन्होंने अराष्ट्रीय तत्वों की चुनौतियों के बीच वनवासी कल्याण के एक महती कार्य संपन्न किया।पहले शासन के साथ मिलकर और बाद में स्वतंत्र रुप से वनवासियों को उनकी जड़ों से जोड़ने की इस अनवरत कर्म साधना के बीच ही देश के सबसे बड़े वनवासी संगठन "वनवासी कल्याण आश्रम" का जन्म 1952 में हुआ। आज देश भर में वनवासियों के लिए 19,398 सेवा प्रकल्प चला रहे कल्याण आश्रम के जनक बालासाहेब देशपांडे जी एक निष्काम कर्मयोगी थे।

कभी जिनकी वीणा की तार सबको मोह लेती थी उन बालासाहेब का जन्म 26 दिसंबर 1913 को अमरावती में हुआ। श्री केशव देशपांडे व श्रीमती लक्ष्मीबाई के सुपुत्र रमाकांत (बालासाहेब) ने जो इतिहास बनाया उसे संघ की कई पीढ़ियां अपनी कार्य की रचना योजना का आधार बनाएंगी।

रमाकांत बचपन से ही मन लगाकर पढ़ाई करते थे। नागपुर से एम.ए., एल.एल.बी. की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने राशन अधिकारी की नौकरी की।किंतु एक मामले में सरकार से सही न्याय न मिलने पर क्षुब्ध होकर नौकरी छोड़कर उन्होंने रामटेक में वकालत आरंभ कर दी।

शायद इसीलिए अपनी जमी जमाई वकालत छोड़कर रमाकांत ने भी एक चुनौती स्वीकार की। वे प्रसिद्ध समाज सेवी वणिकर जी के आह्वान एवं संघ के तत्कालीन सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी की सहमति से एक महती उद्देश्य लेकर, जशपुर में वे बैकवर्ड एरिया डेवलपमेंट अफसर बनकर पहुंचे।

वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय संगठन मंत्री रहे गुणवंत सिंह कोठारी बताते हैं कि, बालासाहेब जब जशपुर पहुंचे तो वहां का वनवासी समाज अपनी अस्मिता व अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा था। नक्सलवादी तत्वों की समानांतर सत्ता के समक्ष आजादी के बाद नव निर्वाचित मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल की सरकार भी मानो विवश थी। वनवासी अपनी परंपराओं को तो भूल ही रहे थे, देश के प्रति विद्रोह का भाव भी उनके भीतर जड़ें जमाते जा रहा था। इस समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए "सेवा के माध्यम से उन्हें अपना बनाकर उनका विश्वास जीतना होगा" गुरु जी के इन वाक्यों को जीवन मंत्र मानते हुए बालासाहेब ने 1948 में जशपुर में शिक्षा के माध्यम से अपना कार्य आरंभ किया। प्रवाह के खिलाफ लड़कर तैरने के बजाय उन्होंने प्रवाह को दिशा देने का मार्ग चुना।

वनवासी प्रतिभा को देश के सामने लाने के लिए बालासाहेब ने एकलव्य खेल प्रकल्प की स्थापना की।इस प्रकल्प ने देश को नामी तीरंदाज व गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी दिए। संघ संस्थापक डाक्टर हेडगेवार के जन्म शताब्दी वर्ष में उनके अथक प्रयासों के स्वरुप छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बस्तर में 30,000 वनवासियों का विराट वनवासी सम्मेलन संपन्न हुआ।

बालासाहेब कहते थे कि कार्य के विस्तार के लिए जितना महत्वपूर्ण प्रकल्प खड़ा करना है उससे भी अधिक महत्वपूर्ण उस प्रकल्प के लिए वायुमंडल का निर्माण करना है, और यही उन्होंने जीवन भर किया।

शरीर क्षीण होता जा रहा था फिर भी 1979 से 1993 तक देशभर के प्रत्येक प्रकल्प पर प्रवास कर वे कार्यकर्ताओं की बैठकें लेते रहे। अंतिम 20 वर्षों में एक वनवासी युवक परछाईं की तरह बालासाहेब के साथ देशभर में घूमा। आखिरकार वनवासी कल्याण के इस महती कार्य को बालासाहेब एक वनवासी के ही हाथ में सौंपना जो चाहते थे।

1993 में बिगड़ते स्वास्थ्य के चलते, कटक में सम्पन हुए आश्रम के अखिल भारतीय सम्मेलन में जगदेव राम उरांव जी को कल्याण आश्रम का नेतृत्व सौंपकर बालासाहेब स्वयं नेपथ्य में चले गये।

21 अप्रैल 1995 को अनंत यात्रा की ओर प्रस्थान करते समय इस वनयोगी की आंखों में असीम शांति थी, क्योंकि अब गिरि, पर्वतों एवं वनों में रहने वाला वनवासी समाज जागृत होने लगा था, उसकी सांस्कृतिक पहचान अब उसके लिए गर्व का विषय थी।

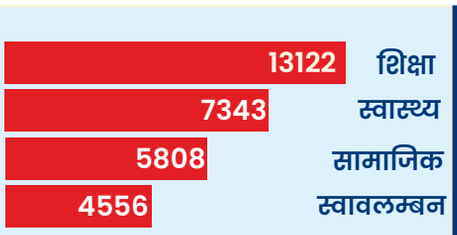

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा **30829** सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग

झिन्झोली

9, 10 नवम्बर 2024

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा दो दिवसीय अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रमुख प्रशिक्षण वर्ग झिन्झोली जिला-सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित किया गया। जिसमें देशभर से 34 प्रान्तों से 40 कोषाध्यक्ष / सह कोषाध्यक्ष, 31 कार्यालय प्रमुख / सह कार्यालय प्रमुख एवं न्यास मंडल सदस्य / अधिकारी सहित कुल 82 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना

कन्याकुमारी

15 -20 नवम्बर 2024

राष्ट्रीय सेवा भारती की अभिनव पहल स्व.सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना के प्रथम समूह के अंतिम वर्ग "दीक्षा" का आयोजन विवेकानंद केंद्र- कन्याकुमारी में दिनांक 15 नवंबर 2024 से 20 नवंबर 2024 तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। वर्ग में कार्यकर्ताओं की मानसिक वृद्धि एवं वैचारिक स्पष्टता के लिए बौद्धिक सत्र के माध्यम से मा. सेंथिल कुमार जी (अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), निवेदिता दीदी (उपाध्यक्ष, विवेकानंद केंद्र), मा. सुधीर कुमार जी (अ.भा. संगठन मंत्री, राष्ट्रीय सेवा भारती) और मा. विजय पुराणिक जी (सयुंक्त महासचिव, राष्ट्रीय सेवा भारती) का उद्बोधन रहा। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विवेकानंद केंद्र के अध्यक्ष मा. बालकृष्णन जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं माननीय मुकुंदा जी (सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) का समापन पाथेय प्राप्त हुआ। समस्त भारतवर्ष से प्रथम समूह के चयनित 27 कार्यकर्ताओं को सकारात्मक परिवर्तन की दिशा के लिए प्रशिक्षित किया गया। विवेकानंद शिला स्मारक के दर्शन के साथ विवेकानंद केंद्र के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले माननीय श्री एकनाथ रामकृष्ण रानाडे जी के निवास स्थान एवं समाधी के दर्शन करके सभी विकास यात्री अपने अपने क्षेत्र में नई ऊर्जा और उत्साह के साथ अग्रसर हुए।

प्रान्त: मालवा

सेवा भारती कन्या छात्रावास 'सेवा मंदिर' नीमच, मालवा प्रान्त की बालिकाओं ने लिया अमृत फल आंवले के व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण आंवला के चमत्कारी, औषधीय, पौष्टिक और स्वाद से भरपूर तत्वों के फल स्वरूप इसका पूर्ण सदुपयोग हो सके, इस हेतु पालक समिति सदस्य श्रीमति शिवा मित्तल द्वारा बालिकाओं को आंवले की कैंडी बनाना सिखाया गया l छात्रावास परिसर में आंवलें के पेड़ होने के कारण उसका उपयोग खाद्य सामग्री व अन्य पेय पदार्थ में कैसे कर सकते हैं इसका प्रशिक्षण भी दिया साथ ही आंवले के औषधीय गुणों की जानकारी दी गई l

प्रान्त: जम्मू

सेवा भारती राजौरी द्वारा राष्ट्रीय मेडिकोज संगठन (NMO) की ओर से राजौरी में निःशुल्क स्वास्थ्य और चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 150 से अधिक मरीजों ने अपनी जांच करवाई। इस शिविर में NMO (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) के इंचार्ज, सेवा भारती के अध्यक्ष एवं सांस्कृतिक प्रमुख सहित टीम के सभी सदस्य शिविर में उपस्थित रहे।

प्रान्त: अवध

सेवा भारती अवध प्रांत द्वारा दिनांक 11 नवंबर 2024 को सेवा भारती लखीमपुर एवं IKMG संस्था द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में 91 छात्राओं के दंत स्वास्थ्य की जांच के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. प्रदीप टंडन और डॉ. समीना अजीज ने छात्राओं के दांतों की जांच की और आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को टूथब्रश एवं मंजन का वितरण किया गया। दन्त स्वास्थ्य जाँच शिविर में पोस्टर और मॉडल के माध्यम से दंत स्वच्छता की महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्रदान की गईं, जिससे छात्राएं अपने दांतों की सही देखभाल के बारे में सीख सकें।

प्रान्त: पंजाब

सेवा भारती, बरनाला द्वारा श्री ज्ञान मंदिर, लखी कॉलोनी में तीन दिन का न्यूरोथैरेपी चिकित्सा का निःशुल्क शिविर लगाया गया। इस दौरान न्यूरोथैरेपी के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं उनकी टीम के साथ शिविर में लगभग 50 रोगियों का उपचार किया गया।

प्रान्त: अवध

सेवा भारती अवध प्रांत द्वारा सीतापुर के बिसवां में 4 दिवसीय स्वाबलंबन प्रशिक्षण वर्ग का समापन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वावलंबी बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। प्रशिक्षण वर्ग में प्रतिभागियों को विभिन्न व्यावसायिक और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किए गए। इन प्रशिक्षणों में स्वरोजगार के विकल्प, उद्यमिता, सामाजिक सेवा के विभिन्न पहलू, और स्वावलंबन के महत्व पर चर्चा की गई। वर्ग के समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रान्त: हिमाचल

सेवा भारती हिमाचल: बिलासपुर 13 दिसम्बर को श्रीमान सैंथिल कुमार जी अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख जी ने हिमाचल प्रवास के समय बिलासपुर AIIMS संस्थान में सेवा भारती द्वारा संचालित प्रकल्प रोगी सहायता केंद्र का अवलोकन किया। यहाँ बिस्तर सुविधा एवं एक हेल्प डेस्क के रूप में सेवाकार्य चलाया जा रहा है । यहां प्रतिदिन रोगियों के सहयोगियों को निशुल्क बिस्तर उपलब्ध करवाते हैं। हेल्प डेस्क द्वारा जिन रोगियों के साथ कोई नहीं होता उनकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

प्रान्त: असम

सेवा भारती पूर्वांचल, NMO असम और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज द्वारा वीर सेनापति लाचीत बरफूकन के 401 वे जयंती के उपलक्ष्य में गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थी यूनियन सहित 25 यूनिट रक्तदान किया। NMO के सचिव डॉ रक्तिम तामुली व असम क्षेत्र के सह सेवा प्रमुख सुरेंद्र तालखेड़कर ने भी रक्त दान में भाग लिया।

प्रान्त: गोरक्ष

दिनांक 1 दिसंबर 2024 शाम 6.00 बजे महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में सेवा भारती, गोरक्षप्रांत की एक बैठक सेवा भारती के प्रांत अध्यक्ष श्री अतुल सराफ़ जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में सेवा भारती गोरक्षप्रांत द्वारा संपादित ई- स्मारिका "सेवा जागृति" के प्रथम अंक का विमोचन पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र सेवा प्रमुख श्रीमान युद्धवीर जी तथा गोरक्षप्रांत के प्रांत प्रचारक श्रीमान रमेश जी द्वारा डिजिटल बटन दबा कर किया गया।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

सेवा भारती रायपुर द्वारा संचालित संस्कार केंद्र, सिलाई केंद्र के शिक्षिकाओं का मासिक प्रशिक्षण वर्ग राम मंदिर, वीआईपी रोड में संपन्न हुआ। संस्कार केंद्र के लक्षण एवम् विशेषता पर सभी शिक्षिकाओं को मार्गदर्शन प्रदान किए। उपस्थित शिक्षिकाओं ने अपने अपने केंद्र के अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण वर्ग में कुल 39 शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

प्रान्त: चित्तोड

सेवा भारती भवानी मंडी तहसील चौमहला की हरिजन बस्ती में भारत माता पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बस्ती की सभी माताएं बहने अपने घरों से दीपक लेकर आई बड़ी संख्या में बस्ती के लोग उपस्थित रहे प्रकल्प शिक्षिका स्वाति जी दुबे ने कार्यक्रम का संचालन किया , मुख्य वक्ता प्रान्त छात्रावास प्रमुख दुलीचंद ने बताया की हमारा भारत बहुत विशाल देश हुआ करता था जिसकी सीमाएं उत्तर के हिमालय से लेकर दक्षिण के हिंद महासागर तक भारत की सीमाएं हुआ करती थी पर जहां-जहां हिंदू समाज संगठित नहीं रहा वहां अन्य देश बनना प्रारंभ हो गए पर यह जितने भी देश आज भारत से अलग हुए वह कोई भी देश शांत नहीं है जैसे अफगानिस्तान, म्यांमार, नेपाल ,भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान ,तिब्बत, श्रीलंका आदि आज अनेक देशो के बीच युद्ध चल रहा है वे सभी भारत की भूमिका की ओर देखते हैं अनेक देश पुन भारत में मिलना चाहते हैं बहुत जल्दी भारत अखंड होगा । भारत माता की आरती कर प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया।

प्रान्त: जयपुर

सेवा भारती समिति राजस्थान द्वारा संचालित कौशल विकास केंद्र, सेवा सदन जयपुर में अभिनव व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रशिक्षण प्रारंभ किए गए हैं। जिसमें शिक्षार्थियों का चयन शहर की पिछड़ी बस्तियों से किया गया । 4 माह का प्रशिक्षण एवं 3 माह की इंटर्नशिप पूर्ण करने पर 15000 हजार से 30000 रुपये की जॉब गारंटी के साथ इस प्रशिक्षण में कुल 45 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। OJT इंटर्नशिप के समय सभी को स्टाइफंड की व्यवस्था रहेगी। इस प्रकालप में तीन प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं । बिजनेस अकाउंटिंग एवं टेक्सेशन, बिजनेस कम्यूनिकेशन एवं टेक्निकल डेपलपमेंट । ये सभी प्रशिक्षण आईटी तकनीकी की प्रसिद्ध कंपनी जुकोल प्राइवेट लिमिटेड (ZUCOL) एवं सेवा भारती के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया जा रहा है ।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

सेवा भारती समिति छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बोरिया खुर्द में किशोरी विकास वर्ग संपन्न हुआ जिसमे गीत, वंदना के पश्चात सम्मान्य ज्ञान, प्रतिदिन की सुव्यस्थित दिनचर्या पाठ्यक्रम में रुचि के विषय में जानकारी दिया गया। डा संगीता काश्यप जी द्वारा साइबर क्राइम, इंस्ट्राग्राम का दुष्प्रभाव विषय मे किशोरियों को बताया गया । वर्ग में कुल 56 किशोरी, 11 शिक्षिका उपस्थित हुए।

प्रान्त: मालवा

सेवा भारती सेवा न्यास आगर मालवा प्रान्त द्वारा विश्व प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आगर के छात्र-छात्राओं से परिचर्चा की गई। स्वास्थ्य मंदिर प्राकृतिक चिकित्सा योग एवं अनुसंधान केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर गिरधर पटेल ने प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक चिकित्सा का विशेष महत्व है। प्राकृतिक चिकित्सा जीवन जीने की पद्धति है । वर्तमान में हम प्रकृति से जैसे-जैसे दूर हो रहे हैं वैसे-वैसे रोग हमको पकड़ रहे हैं । डॉ पटेल ने स्वस्थ रहने के लिए योग प्राणायाम व प्राकृतिक चिकित्सा को जीवन का अंग बनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय जी उपाध्याय उपस्थित थे।

प्रान्त: मध्य भारत

मध्य भारत प्रान्त के भोपाल विभाग में निवेदिता की किशोरी बालिकाओं को प्रकल्प दर्शन कराया गया। जिसमें उन्होंने छात्रावास, आनंद धाम, निशक्तजन छात्रावास और मातृछाया आदि प्रकल्प देखें।

प्रान्त : गोरक्ष

सेवा भारती महराजगंज द्वारा 09 दिसंबर 2024, सोमवार नौतनवा नगर में स्थिति -सरस्वती शिशु मन्दिर इंटर कॉलेज के प्रांगण में विद्यालय की 175 प्रतिभावान छात्राएं प्रतिभागी बनकर अपने अपने कलाईयों पर मेहंदी कला का सुन्दर प्रदर्शन किया, इन 175 प्रतिभागी छात्राओ में कुल 06 छात्राओ ने 02 श्रेणी में बंटकर उत्कृष्ट मेंहदी कला का प्रदर्शन करते हुए 02 छात्रा प्रथम,02 छात्रा द्वितीय,02 छात्रा तृतीय पुरस्कार जितने में सफल रहीं ।

वंदेमातरम फाउंडेशन, वारंगल, तेलंगाना

सपनों को मिले पंख

औरों की तो छोड़िए उसे खुद ही विश्वास नहीं हो रहा था। आईण्टी की बेस्ट कंपनियों में से एक इंफोसिस का अपॉइंटमेंट लेटर रूपा के हाथ में था। तेलंगाना के वारंगल जिले के एक छोटे से गांव की यह बेटी आज अपने गांव की कितनी ही लड़कियों की आदर्श है। पास के ही इलैंदा गांव की वूल्लमा भी इंजीनियरिंग करने के बाद एक अच्छी नौकरी कर रही है। तेलंगाना के वारंगल व मेहबूबनगर जिले के गांवो में जहां बेटी को पढाना तक जरूरी नही समझा जाता था। उनकी आंखो ने जो सपने देखे थे, वो पूरे किए वंदेमातरम फाउंडेशन ने। फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं के लिए सबसे अधिक मुश्किल था घर वालों को लड़कियों को गांव से बाहर पढने भेजने के लिए मनाना। माता पिता बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए गॉव से बाहर भेजने के लिए कतई तैयार न थे। पर किसी तरह वे कुछ लोगों को मनाने मे सफल हुए फिर तो एक परिपाटी सी चल पड़ी।

कभी शिक्षा के लिहाज़ से बेहद पिछड़े इस इलाके में वंदेमातरम् फाउंडेशन के प्रयासों से आज 398 युवा इंजीनियरिंग कर चुके हैं। जहॉ कभी महज़ 12 प्रतिशत लड़कियॉ ही महाविद्यालयों तक पहुंच पाती थीए आज यह संख्या काफी बढ़ गई है। 1600 से अधिक लड़कियॉ फाउंडेशन के माध्यम से ग्रेजुएशन कर चुकी हैं।

संस्था के स्वंयसेवक ग्रामीण इलाकों में जा कर लड़कियों के माता.पिता को संकल्प दिलाते हैं कि शिक्षा पूर्ण होने तक वह बेटी की शादी नहीं करेंगे। इसके पश्चात फाउंडेशन द्वारा इन लड़कियों की महाविद्यालय की फीस से लेकर उनके आने -जाने में होने वाले व्यय तक की व्यवस्था की जाती है। प्रत्येक तिमाही एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया जाता हैए जिसमें छात्राओं को कॅरियर ऑपशन्स के बारे में सटीक व लेटस्ट जानकारी दी जाती है।

गांवों के छात्र भी शहरी बालकों का मुकाबल कर सकें; यह सुनिश्चित करने के लिए फाउंडेशन द्वारा वर्ष में एक बार हाईस्कूल के छात्रों के लिए 45 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाता है। प्रातः 4. 30 बजे से आरंभ होने वाले इस शिविर में विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट विद्यार्थी को परीक्षा की तैयारी कराते हैं।

कन्या शिक्षा के क्षेत्र में वंदेमातरम् फाउंडेशन की यह पहल समूचे तेलंगाना में तेजी से एक आंदोलन का रूप ले रही है। संस्था के माध्यम से शिक्षित लड़कियां अपने.अपने गांवों में संचालित शारदा संस्कार केन्द्रों के माध्यम से अन्यों को जागरूक बना रही है ।

निवेदन

आपदा राहत कार्य में **स्वयंसेवकों की भूमिका और उनसे प्राप्त प्रेरणा"** से सम्बंधित लेख/ संस्मरण आमंत्रित हैं।

राष्ट्रीय सेवा भारती को आपको सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि **सेवा साधना 2025** पत्रिका का वार्षिक अंक **'आपदा प्रबंधन'** पर आधारित है आप सभी से निवेदन है की यदि आपका आपदा राहत कार्य में सम्मिलित होने का प्रत्यक्ष अनुभव रहा है तो कृपया उसे साझा करें ताकि अन्य स्वयंसेवक और सामाजिक बन्धुओं के लिए प्रेरणादायक बन सके।

आपसे विनम्र अनुरोध करना है कि अपनी स्मृति लेख हिन्दी अथवा अंग्रेजी में तैयार कर rsbsewasadhna2025@gmail.com या व्हाट्स एप नं. 9868245005 पर 01 जनवरी 2025 से पूर्व तक भेजने का कष्ट करें।

राष्ट्रीय सेवा भारती

प्रान्त जम्मू : सेवा भारती राजौरी द्वारा दक्ष छात्रावास और दृष्टांत छात्रावास के छात्रों (45 छात्रों) भ्रमण का कार्यक्रम आयोजन किया गया।

प्रान्त अवध : श्री गुरु जी डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारम्भ

प्रान्त मेरठ : सेवा भारती हरनंदी नगर द्वारा स्वावलंबन के केंद्र में कुंभ प्लास्टिक मुक्त मेले प्रयागराज के लिए थैले तैयार करते हुए।

प्रान्त गोरक्ष : सेवा भारती महराजगंज द्वारा नि: शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया , कुल 250,रोगियों का जाँचकर, औषधि वितरण की गई।

राष्ट्रीय सेवा भारती के सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

राष्ट्रीय सेवा भारती
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005